मंगलवार, 01 नवम्बर, 2011, पटना, कार्तिक, शुक्ल पक्ष, षष्ठी, विक्रम सम्वत, 2068 | www.livehindustan.com | वर्ष 26, अंक 254, 18 पेज, मूल्य ₹ 4.00, नगर संस्करण

पटना में सोमवार को महेन्द्रू घाट पर छठ पर्व के खरना का प्रसाद बनातीं महिलाएं। ● दीपूराज

सूबे में छाई छठ की छटा

पटना | विशेष संवाददाता

खरना के साथ ही पूरे सूबे का मन और मिजाज बदल गया है। कोई दूसरी चर्चा नहीं, कोई अलग काम नहीं। हर तरफ केवल भगवान सूर्य की पूजा और छठी मइया के गीत। आहर, पोखर, नदी और तालाब सब सज गये हैं। घाट और तालाबों तक जाने वाली सड़कें तो ऐसी धुली हैं कि उस पर सूई भी गिर जाए तो पता चल जाए। गलियां और मुहल्ले जगमग कर रहे हैं। शहरों के अधिकतर लोगों ने गांवों का रुख कर लिया है। राजधानी के बड़े से बड़े अपार्टमेंट जैसे ढन-ढन कर रहे हैं। फिर भी, पटना में लाखों छठव्रती घाट से लेकर तालाब तक और अहातों से लेकर छतों तक पर अर्घ्यदान करने की तैयारी कर चुके हैं।

सोमवार की शाम छठव्रतियों ने दूध और गुड़ की खीर बनाई और रोटी के साथ इसे छठी मइया को भोग लगाया।

पहला अर्घ्य आज

- खरना संपन्न, अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य आज
- पहले अर्घ्य के लिए आहर, पोखर, तालाब सब सज कर तैयार
- छठी मइया और भगवान भास्कर की अराधना में डूबे लोग

धरती माता की पूजा की और आस पड़ोस के लोगों को बुलाकर प्रेम से प्रसाद खिलाया। लोग प्रसाद पाने के लिए एक दूसरे के घर गये, छठव्रतियों के पांव छुए और खरना का प्रसाद लिया। कोई बड़े-छोटे का भेद नहीं। कोई ऊंच-नीच का भाव नहीं। सभी छठी मइया के सामने कतार में खड़े हैं। छठी मइया का कोई रूप नहीं, कोई आकार नहीं लेकिन उनकी करुणा और कृपा सब पर बरस रही है। इसके साथ ही शुरू हो गया छठव्रतियों का 36 घंटे का उपवास। मंगलवार को छठव्रती अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य देंगे तो बुधवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्यदान के साथ छठ पर्व संपन्न होगा।

राजधानी के 23 गंगा घाटों को खतरनाक घोषित किये जाने के कारण कई लोगों के अहातों में तालाब खुद गये हैं तो अनेक लोगों ने छत पर ही भगवान सूर्य को अर्घ्य देने की व्यवस्था कर ली है। विभिन्न मुहल्लों में नौजवानों की टोलियां देर शाम तक सड़कों की साफ-सफाई में डटी रहीं। मकसद, सड़क पर एक कंकड़ भी न छूटने पाये और छठव्रतियों के पांव को कोई तकलीफ न हो। साफ-सफाई करने वालों में सभी धर्मों और संप्रदायों के लोग शामिल हैं।

'हिन्दुस्तान' के आह्वान पर तालाब से रास्तों तक की साफ-सफाई पेज 06

देखें पेज- 3,4,5 और 11 भी

दो टूक

छठ का महत्व

लोक आस्था के पर्व छठ का आध्यात्मिक महत्व अपनी जगह है। लेकिन इसका सामाजिक व सांस्कृतिक महत्व कम महत्वपूर्ण नहीं। यह एक ऐसा पर्व है, जो सामाजिक समरसता का संदेश तो देता ही है, बिहार की सांस्कृतिक पहचान को भी रेखांकित करता है। पूरी दुनिया में जहां भी बिहार के लोग बसे हैं, छठ मनाने को लेकर जिस गर्वबोध से भरे होते हैं, जाहिरन वह अपनी जड़ों से जुड़े होने की तस्दीक भी करते हैं। आधुनिकता के इस दौर में जब मनुष्य अकेले होते जाने को अभिशप्त है, यह पर्व सामूहिकता, पारस्परिकता और परिवार के महत्व की संवेदना को बचाये और बनाये रखने का भी संदेश देता है। यह पर्व सामाजिक, सांस्कृतिक आस्था को और उदार बनाये यही कामना है।

आज का संपादकीय

सात अरबवां नागरिक : पेज 10

आप भी हैं पत्रकार

अगर आपके पास जनसमस्याओं से जुड़ी कोई खबर या फोटो हो तो हमें भेजिए। हमें उनका इंतजार रहेगा :

एसएमएस करें :
9835612480, 9473214080
ईमेल करें :
patna@livehindustan.com

शुभकामना

'हिन्दुस्तान' के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों और हॉकर बंधुओं को महापर्व छठ की हार्दिक शुभकामनाएं।

छुट्टी की सूचना

छठ पर 01 नवम्बर को हिन्दुस्तान कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक गुरुवार 03 नवम्बर को प्रकाशित होगा।

शेयर बाजार	17705.01	-99.79
सोना	27,540	-340
चांदी	56,350	-1150

जरूर जानें

मकड़े की नई प्रजाति का पता चला

ऑस्ट्रेलिया के नॉर्थम में वैज्ञानिकों ने मकड़े की एक नई प्रजाति ढूंढ़ने का दावा किया है। सफेद सिर और काले व भूरे पैरों वाले इस मकड़े का आकार 50 सेंट के बराबर है और इसे पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाई संग्रहालय में रखा गया है। वरिष्ठ क्यूरेटर डॉ. मार्क हार्वे ने बताया कि इसकी आगे की टांगों और मूंछों में मौजूद सूक्ष्म अंतर इसे एक नए प्रकार का मकड़ा साबित करते हैं।

जरूर पढ़ें

लोगों के गुस्से से डरना जरूरी

हिसार में चोट खाई कांग्रेस बदले के मूड में है। वह अन्ना की टीम को हर हाल में हरा देना चाहती है। आंदोलन की धार को कुंद करने का बीड़ा उसने उठा लिया है। कभी किरण बेदी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं, तो कभी अरविंद केजरीवाल को नीचा दिखाने की कोशिश हो रही है। टीम अन्ना कह रही है कि हम दोषी हैं, तो हमें फांसी दे दो, लेकिन जन-लोकपाल ले आओ।

आशुतोष

पेज 10

www.ideacellular.com जनरल इन्फॉर्मेशन नं. 97080 12345
महीना खर्च @ ₹89
450 लोकल आइडिया मिनट्स
100 लोकल/STD मिनट्स
वैधता 30 दिन
!dea
एक आइडिया जो बदल दे आपकी दुनिया

राज्य में एक दर्जन स्थानों पर सौर बिजलीघर स्थापित करने की योजना

अमेरिका-ब्रिटेन से प्रस्ताव

पटना | आलोक चन्द्र

सूबे की नई ऊर्जा नीति ने विदेशी पूंजी निवेशकों को भी आकर्षित करना शुरू कर दिया है। अपारम्परिक ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने सुविधाओं की घोषणा की तो अमेरिका और ब्रिटेन से भी उद्यमी बिहार पहुंचने लगे हैं। वे सैकड़ों करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव लेकर राज्य के ऊर्जा सेक्टर में अपनी भागीदारी निभाना चाहते हैं। राज्य औद्योगिक प्रोत्साहन बोर्ड ने उनके प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी है। इस स्वीकृति के बाद अब वे बिजलीघर स्थापित करने की दिशा में काम शुरू कर चुके हैं।

बीते दिनों अमेरिका, ब्रिटेन समेत देश के कई उद्यमियों ने बिहार में सौर ऊर्जा परियोजना लगाने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने इस संबंध में विस्तृत प्रस्ताव भी सौंपा है। इन प्रस्तावों में एक दर्जन स्थानों पर सौर बिजलीघर लगाने की योजना है। इससे लगभग 150 मेगावाट बिजली पैदा होगी। पूरी परियोजना पर तकरीबन 2400 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यही नहीं इनमें पांच हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार भी मिलेगा। इसके अलावा लगभग दस हजार लोग अप्रत्यक्ष रूप से इन परियोजनाओं से लाभान्वित होंगे।

राज्य सरकार ने पिछले दिनों 'बिहार नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों की संवर्द्धन नीति 2011' लागू की है। इसमें कई तरह की छूट और रियायतें दी गई हैं। ब्रेडा के निदेशक मनीष कुमार कहते हैं कि सौर ऊर्जा आज हमारी जरूरत बन गई है। हम प्रस्तावों को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए संकल्पित हैं।

यहां से मिले प्रस्ताव

कंपनी	स्थान	क्षमता (मेगावाट)	निवेश (करोड़)	रोजगार
चैंटी पार्टनर्स, न्यूयार्क	कैमूर	10	153	210
चौसर कैपिटल, लंदन	डोभी, बाराचट्टी, गया	20	328	125
क्लेरो इनर्जी, दिल्ली	गोपालगंज, खगड़िया	10	160	500
रेसपॉन्स रेन्यूएवल, कोलकाता	मधुबनी, बक्सर, छपरा	25	425	150
मोजरबियर क्लीन इनर्जी, दिल्ली	चकिया, रामनगर, कटोरिया, बांका	20,25,40	1318	4200

फायदा

- 2400 करोड़ का निवेश, 150 मेगावाट पैदा होगी बिजली
- 5000 लोगों को मिलेगा रोजगार
- अप्रत्यक्ष रूप से 10,000 लोगों को होगा फायदा
- राज्य सरकार की नई नीति ने किया आकर्षित

पटना के अनिल ने जीता एक करोड़

केबीसी-5 में हॉट सीट पर पटना के अनिल कुमार सिन्हा।

मुंबई | नवीन कुमार

सोनी टीवी के रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति में एक सप्ताह के अंदर ही दो बिहारियों को करोड़पति बनने का मौका मिला है। मोतिहारी के सुशील कुमार के बाद पटना के गर्दनीबाग के अनिल कुमार सिन्हा ने एक करोड़ रुपए का इनाम जीता है। सुशील ने तो पांच करोड़ रुपए का इनाम जीत लिया था। लेकिन अनिल पांच करोड़ तक पहुंचकर गेम से बाहर हो गए। वह पांच करोड़ के सवाल का जवाब नहीं जानते थे। डबल डिप वाली लाइफलाइन के जरिए भी सही जवाब देने में खुद को सक्षम नहीं मान रहे थे। इसलिए उन्होंने खेल से बाहर होने का फैसला लिया और एक करोड़ का इनाम जीत लिया।

अनिल तब से केबीसी की हॉट सीट पर बैठने के लिए कोशिश कर रहे थे जब से केबीसी की शुरुआत हुई थी। वह केबीसी के एंकर अमिताभ बच्चन से बेहद प्रभावित हैं। जब वह हॉट सीट पर बैठे तो उन्हें भरोसा नहीं हुआ और जब उन्होंने एक करोड़ का इनाम जीत लिया तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ। लेकिन बिग बी ने उन्हें एहसास कराया कि उन्होंने एक करोड़ का इनाम जीत लिया है और अब वह करोड़पति बन गए हैं।

अनिल यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में मैनेजर हैं और वह कोलकाता शाखा में कार्यरत हैं। अनिल के पिता का इंतकाल हो चुका है और वह अपनी मां के साथ रहते हैं। अनिल को अफसोस है कि इस खुशी के मौके पर उनके पिता साथ नहीं हैं। अनिल एक करोड़ की राशि से अपना घर बनाएंगे। सोनी टीवी पर अनिल का यह एपिसोड 9 नवंबर को प्रसारित होगा।

मिली सफलता

- अनिल कुमार सिन्हा कोलकाता में यूनियन बैंक में मैनेजर हैं
- केबीसी के इस एपिसोड का प्रसारण 9 नवम्बर को होगा

देखें पेज - 06 और 12 भी

अब गैर उपयोगी मोबाइल नंबर किये जाएंगे बंद

नई दिल्ली | मनोज गैरोला

सरकार ने गैर उपयोग वाले मोबाइल नंबरों को बंद करने का फैसला किया है। देश में ऐसे नंबरों की संख्या कुल मोबाइल नंबरों की एक तिहाई है।

आधिकारिक तौर पर देश में करीब 90 करोड़ मोबाइल धारक हैं। लेकिन सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, करीब 30 करोड़ नंबर उपयोग में नहीं हैं। इस हिसाब से हर दो में से एक व्यक्ति के पास ही मोबाइल फोन है, जबकि आधिकारिक आंकड़ों में हर चौथे व्यक्ति में से तीसरे व्यक्ति के पास मोबाइल है। इस लिहाज से मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या में 50 से 75 फीसदी की तेज गिरावट आई है।

दूरसंचार विभाग के एक अंदरुनी नोट के मुताबिक, हर सेवा प्रदाता के पास ऐसे नंबरों की भरमार है जो स्थायी रूप से सेवा में नहीं हैं। इसे देखते हुए दूरसंचार विभाग ट्राई से इन नंबरों को खत्म कर नए सिरे से इनके प्रयोग के लिए कह सकता है। दूरसंचार नीतियों के चलते भी ऐसे नंबरों की संख्या बढ़ी है, क्योंकि ज्यादा ग्राहकों वाले ऑपरेटर्स को ही स्पेक्ट्रम दिए जाते हैं।

एलसीटी घाट पर डूबे मैनपुरा के 3 छात्र

पटना | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

आखिरकार वही हुआ जिसका डर काफी दिनों से स्थानीय लोगों को सता रहा था। सोमवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे एलसीटी घाट पर तीन छात्र डूब गए। काफी खोजबीन करने के बाद भी जब छात्रों का पता नहीं चला तो स्थानीय लोगों ने गोताखोर की मांग की। घंटों बाद किसी तरह गोताखोर की मदद से तीनों छात्रों के शव को बाहर निकाला गया। इस घटना के बाद पूरे मैनपुरा मोहल्ले में मातम का माहौल है। स्थानीय लोगों के मुताबिक तीनों छठ पूजा के लिए पानी लाने गए थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

दरअसल, सुबह के वक्त पांच किशोर गंगाजल लेने एलसीटी घाट गए थे। पानी में किशोरों को गड्ढे का पता नहीं चला।

इस बीच नौवीं कक्षा के तीनों छात्र शम्मी, सुजीत कुमार और शिवम कुमार गड्ढे में फंस गए। एक को बचाने की कोशिश में तीनों पानी में डूब गए। जब तक स्थानीय लोगों को पता चलता, तीनों छात्र पानी में डूब चुके थे। मृतक तीनों छात्र पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के मैनपुरा स्थित महंत हाई स्कूल के समीप के रहने वाले थे।

इधर, एसपी सिटी शिवदीप लांडे के आदेश के बाद पाटलिपुत्र थाने की पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गयी। हालांकि काफी देर तक गोताखोर नहीं पहुंचा था। इस घटना के बाद उग्र स्थानीय लोगों ने एलसीटी घाट के सामने सड़क जाम कर दी। काफी मशक्कत के बाद एक गोताखोर को तलाशने में पुलिस सफल हुई। दोपहर के वक्त तीनों छात्रों के शवों को पानी के बाहर निकाला गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि जिला प्रशासन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। घाट के खतरनाक होने की बात को जानते हुए भी प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया था। जिसका परिणाम सामने आ गया।

दर्दनाक

- छठ के लिए गंगाजल लेने गये थे शम्मी, शिवम और सुजीत
- काफी मशक्कत के बाद मिला एक गोताखोर, दोपहर में निकाले गए शव
- सड़क जाम, लोगों ने हादसे के लिए जिला प्रशासन को ठहराया जिम्मेदार

हादसे के बाद शम्मी के बिलखते परिजन।

देखें पेज- 08 भी

कुछ अलग

सात अरबवें बच्चे को लेकर भारत, रूस और फिलीपींस ने किये अलग-अलग दावे

सात अरब हुआ दुनिया का परिवार, प्रतीक बने कई बच्चे

नई दिल्ली | हिन्दुस्तान टीम

सोमवार को धरती की संतानों की संख्या 7 अरब हो गई। इस संतान के जन्म को लेकर भारत, फिलीपींस और रूस ने अलग-अलग दावे किए। फिलीपींस की राजधानी मनीला में जन्मी बच्ची को संयुक्त राष्ट्र ने सांकेतिक रूप से सात अरबवां इंसान माना। उसका नाम डानिका कमाचो रखा गया है।

हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह सौ फीसदी पक्के तौर पर यह नहीं कह सकता कि डानिका ही वह बच्ची है और इस तरह की बात करना बेमानी है। हर देश किसी भी बच्चे को प्रतीक के तौर पर सात अरबवां बच्चा चुन सकता है। इधर लखनऊ के माल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रसव कक्ष में मां की कोख से बाहर आते ही नरगिस दुनिया की सात अरब आबादी का प्रतीक बन गई।

इस बच्ची को दो एनजीओ 'प्लान इंडिया' और 'वात्सल्य' ने प्रतीक मानते हुए सात वर्ष तक शिक्षा व स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं मुहैया कराने का वादा किया। दोनों एनजीओ ने माल में दो दिन में जन्म लेने वाली कुल सात बच्चियों को यह सुविधाएं देने की बात कही है।

7 अरबवें पर भ्रम क्यूं

● संयुक्त राष्ट्र ने कहा, गणना में 1 से 2 फीसदी गलती संभव ● इसलिए इस बार प्रत्येक देश को अपना सात अरबवां बच्चा घोषित करने की छूट

मेविक कहां गया

● संयुक्त राष्ट्र ने बोस्निया के अदनान मेविक को घोषित किया था छह अरबवां बच्चा ● कोफी अन्नान ने उसे अपनी बांहों में उठाया था। ● आज वह गुरबत में है।

कौन सी बच्ची 7 अरबवीं!

« मनीला — फिलीपींस — डानिका कमाचो — रात 11.58 बजे

^ लखनऊ — भारत — नरगिस — सुबह 07.25 बजे

किलिनग्रेड शहर, रूस — प्योत्र, रात 12.02 बजे

रांची जेल में मधु कोड़ा की धुनाई, टूटा हाथ

रांची | विशेष संवाददाता

खाने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद मधु कोड़ा की कैदियों ने जमकर पिटाई कर दी। इस हमले में उनका दाहिना हाथ टूट गया। उनके सीने, कमर और पेट में दर्द है।

सोमवार की सुबह 11:30 बजे जेल में बंद कोड़ा, पूर्व मंत्री हरिनारायण राय, कमलेश सिंह, एनोस एक्का राजनीतिक कैदियों के भोजन का विरोध कर रहे थे। इसके बाद सब सेंट्रल टावर के पास धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे कैदियों में से एक ने कोड़ा के साथ बहस शुरू कर दी। वह कह रहा था- आपलोग बाहर भी लूटते हैं और अंदर भी आपलोगों के लिए विशेष व्यवस्था होती है। तभी एक अन्य कैदी धरने से उठा और एक डंडा लेकर वहां पहुंचा। उसने कोड़ा पर जम कर डंडे से हमला कर दिया। अलार्म बजने के बाद जेल अधिकारी और वार्डन पहुंचे और लाठीचार्ज करवा दिया। लाठीचार्ज से भगदड़ मच गई। मधु कोड़ा वहीं गिरे पड़े थे। कोड़ा ने इस हमले को जान से मारने की साजिश करार दिया है।